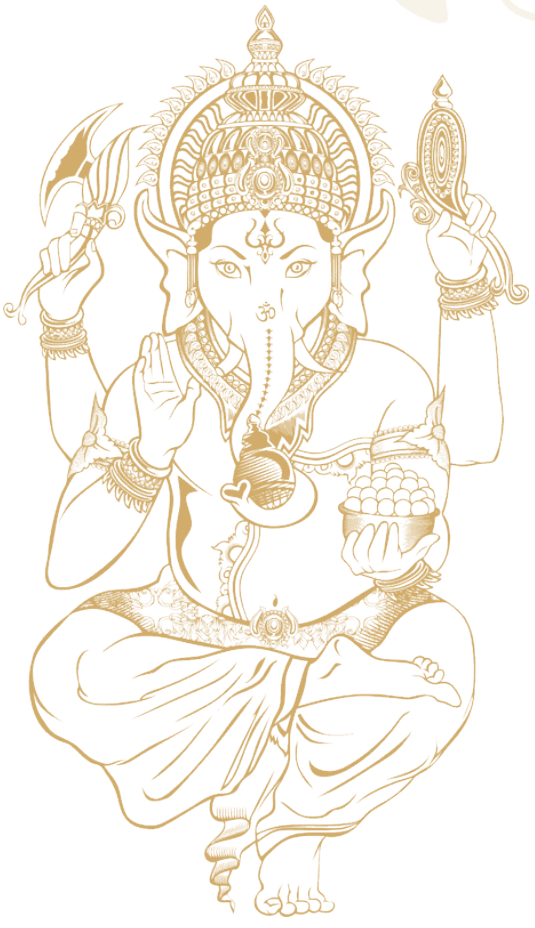

MAHESH TIBREWAL

JANHAVI DIWAKER

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119996302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/05/1996	जन्म तिथि	24/10/1994
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 09:38:00	जन्म समय	13:58:00 घंटे
घटी 09:33:28	जन्म समय(घटी)	19:24:59 घटी
India	देश	India
Hyderabad	स्थान	Hyderabad
17:22:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:36	सूर्योदय	06:12:00
18:37:36	सूर्यास्त	17:48:58
23:48:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:16

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 4वर्ष 7मा 24दि		16:39:36	मिथु	लग्न	मक	27:07:27	मंगल 3वर्ष 10मा 1दि	
शुक्र		21:08:26	मेष	सूर्य	तुला	06:54:44	गुरु	
29/12/2024		13:24:10	वृश्चि	चंद्र	वृष	29:21:28	25/08/2016	
29/12/2044		08:00:15	मेष	मंगल	कर्क	16:49:27	25/08/2032	
शुक्र	29/04/2028	04:46:19	वृष व	बुध व	तुला	00:09:40	गुरु	13/10/2018
सूर्य	29/04/2029	23:50:53	धनु व	गुरु	तुला	26:05:16	शनि	26/04/2021
चन्द्र	29/12/2030	00:31:08	मिथु	शुक्र व	तुला	21:45:50	बुध	02/08/2023
मंगल	28/02/2032	09:19:46	मीन	शनि व	कुंभ	12:06:48	केतु	07/07/2024
राहु	28/02/2035	23:08:15	कन्या व	राहु	तुला	21:01:24	शुक्र	08/03/2027
गुरु	29/10/2037	23:08:15	मीन व	केतु	मेष	21:01:24	सूर्य	26/12/2027
शनि	29/12/2040	10:46:18	मक	हर्ष	धनु	28:48:43	चन्द्र	26/04/2029
बुध	30/10/2043	03:56:14	मक व	नेप	धनु	26:55:01	मंगल	02/04/2030
केतु	29/12/2044	08:24:16	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	03:07:36	राहु	25/08/2032

लग्न-चलित

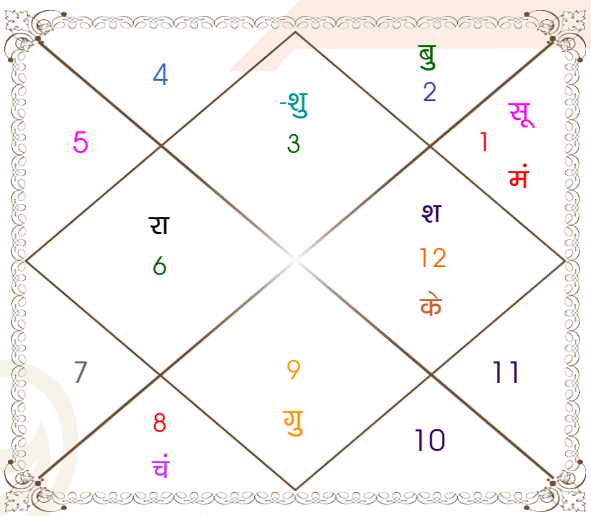

लग्न-चलित

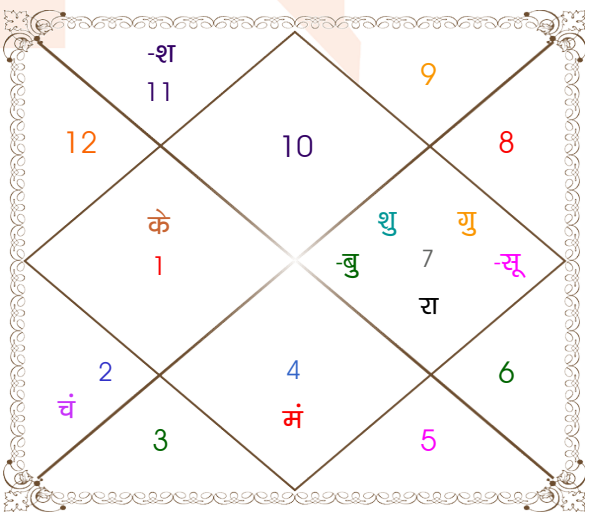

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि JANHAVI DIWAKER का नक्षत्र मृगशिरा है।

MAHESH TIBREWAL का वर्ग सर्प है तथा JANHAVI DIWAKER का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार MAHESH TIBREWAL और JANHAVI DIWAKER का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

MAHESH TIBREWAL मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

JANHAVI DIWAKER मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल JANHAVI DIWAKER कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल JANHAVI DIWAKER कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन

हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल MAHESH TIBREWAL कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

MAHESH TIBREWAL तथा JANHAVI DIWAKER में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।